अदिति राव हैदरी

संगीत मेरे खून में है

मलयालम फिल्म प्रजापति के माध्यम से अपना करियर शुरु करने वाली अदिति राव हैदरी ने हिन्दी में दिल्ली 6 से कदम रखा था परंतु उन्हें वास्तविक पहचान मिली थी फिल्म ये साली जिंदगी से. उसके बाद उनके खाते में रॉकस्टार, मर्डर 3, लंदन, पैरिस, न्यूयार्क, बॉस, गुड्डू रंगीला, भूमि, पद्मावत तथा दासदेव जैसी फिल्म शामिल रही हैं. हालांकि अदिति अब तक सहायक किरदार ही करती आ रही हैं, फिर भी उन्हें आशा है कि उन्हें बतौर लीड एक्ट्रेस एक दिन सफलता जरुर मिलेगी. पेश हैं उनके एक बातचीत के अंश-

- दासदेव में आपनी भावनाओं से खिलवाड़ करने वाली और राजनीतिक जोड़तोड़ करने वाली लड़की का किरदार निभाया जो देवदास की चंद्रमुखी जैसा तो नहीं था.?

यह कहानी वास्तव में ही विभिन्न किस्म के नशों के बारे में और सुधीर सर ने इसे न सिर्फ डूब कर बनाया है बल्कि इसमें कई ट्विस्ट भी रखे हैं. उन्होंने हर चीज को सिर के बल कर दिया है. उन्होंने कहानी चंद्रमुखी से कहलवाई है जिसे फिल्म में चांदनी नाम दिया गया है. जैसे कि सभी जानते हैं कि चंद्रमुखी दिल की बहुत साफ तथा निःस्वार्थ है परंतु सुधीर सर ने उसे आज की लड़की बना कर पेश किया है. वह ऐसी लड़की नहीं है जो एकतरफा प्यार के कारण आंसू बहाती है. उसका निःस्वार्थ प्यार ही उसकी ताकत है और मुझे यही बात बहुत पसंद आई थी कि चांदनी ही कहानी कहेगी.

- आपने पद्मावत में भी एक मिली जुली कास्ट के साथ काम किया था. उसके बाद ऐसी कास्टवाली यह आपकी अगली फिल्म है. आपको डर नहीं लगता?

लोग अक्सर मुझसे पूछते हैं कि मैं मिली जुली कास्ट वाली फिल्म क्यों करती हूं खास कर उस समय जबकि मैं लीड किरदार कर सकती हूं. यदि पश्चिम में लोग ऐसा कर सकते हैं तो हम क्यों नहीं? मुझे लगता है कि मुझे बदलाव का हिस्सा बनना चाहिए. हम सभी इस बदलाव का हिस्सा हैं. मिली जुली कास्ट वाली फिल्म करके हमेशा मुझे सही लगा है. यदि मैं अपना किरदार असुरक्षित हुए बिना निभाती हूं तो इससे किरदार चमकेगा.

- इंडस्ट्रीज में लोगों को बहुत जल्दी टाइपकास्ट कर दिया जाता है. क्या आपको असुरक्षित महसूस नहीं होता?

असुरक्षा तथा ईर्ष्या बहुत ही घटिया चीजें हैं. कई बार आप थोड़ा अपसेट या डर महसूस करते हैं परंतु मुझे विश्वास है कि आप अपने दिमाग को तैयार कर सकते हैं. और अपने विश्वास को इतना दृढ़ बना सकते हैं कि किसी भी चीज को आप निगेटिव से पॉजीटिव में बदल सकते हैं. हां कई बार निराशा का सामना करना पड़ता है परंतु महत्वपूर्ण बात यह है कि आप उनसे परे होकर सोचें मैं अपनी निराशाओं के बदले खुद को मिले आशीर्वादों को अधिक महत्व देती हूं.

- क्या आज भी बड़े-बड़े पोस्टर पर अपना चेहरा देख कर एक्साइटमेंट जागती है?

हां क्यों नहीं. मेरा हमेशा से मणिरत्नम सर तथा भंसाली सर के साथ काम करने का सपना था इसलिए मुझे यदि माइनस डिग्री टैम्परेचर में काम करना पड़े तो कोई गम नहीं. जब भी मैं किसी फिल्म के सेट पर जाती हूं तो कैंडी शॉप में घूम रही बच्ची जैसी हो जाती हूं. मेरे लिए कैमरे के सामने होना वंडरलैंड में होने के बराबर है. मेरे लिए फिल्में किसी जादू की तरह है.

- गत वर्ष न्यूयार्क में आपने ए.आर. रहमान के साथ स्टेज पर लाइव गाना गाया था. क्या गायन को अपना करियर बनाने की योजना है?

मैं कोई ट्रैंड सिंगर नहीं हूं. मेरी मां ने बहुत विनम्रता से अपने अच्छे जॉस मुझ तक पहुंचाए हैं. हां मैं अच्छी डांसर जरुर हूं. यदि मैं गा सकती हूं तो यह मेरे लिए खुश किस्मती होगी. बहुत से लोगों ने मुझसे यह सवाल पूछा है और मुझे याह है कि जवाब देते वक्त मैं हमेशा सोचा करती थी कि यदि मैं गाऊंगी तो या तो रहमान सर के लिए या कोक स्डूडियो के लिए. संगीत तथा नृत्य मेरे खून में है.

पहली इंडियन 'सुपरवुमन' दीपिका

फिल्म में सुपरवुमन के उसके किरदार के लिए कास्टयूम के स्कैच बनाने पर भी काम जारी है जिसमें दीपिका खूब दिलचस्पी ले रही हैं.

दीपिका पादुकोण

सूत्रों की मानें तो दीपिका पादुकोण को लेकर बॉलीवुड की पहली फीमेल सुपरहीरो फ्रैंचाइजी बनाने की तैयारी शुरू हो चुकी है. इसके तहत पहली दो फिल्मों के लिए 300 करोड़ रुपए का बजट रखा गया है. ये फिल्में साइंस फिक्शन पर आधारित होंगी जिनकी स्क्रिप्ट पर काम चालू है. निर्माता इन फिल्मों के लिए हॉलीवुड की ब्लॉकबस्टर सुपरवुमन फिल्म वंडर वुमन से प्रेरणा ले रहे हैं, जिसमें गैड गैडोट ने लीड रोल निभाया था.

कहा जा रहा है कि फिल्म के लिए दीपिका की लुक को वंडर वुमन के आधार पर ही तैयार किया जाएगा. फिलहाल इसे पूरी तरह गुप्त रखा जा रहा है और क्रिएटिव टीम गुपचप तरीकों से दीपिका के साथ इस बाबत कई बार मुलाकात कर चुकी है. सूत्र बताते हैं दीपिका को इस फिल्म के लिए मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स तथा विभिन्न प्रकार की हैड टू हैंड फाइट का गहन अभ्यास करना होगा. चूंकि अपनी तरह की यह पहली फिल्म है, इसलिए प्री प्रोडक्शन में ही काफी वक्त लगेगा जिस वजह से फिल्म की शूटिंग अगले वर्ष तक ही शुरू हो सकेगी.

बनाया जा रहा है खास कास्टयूम : फिल्म में सुपरवुमन के उसके किरदार के लिए कास्टयूम के स्कैच बनाने पर भी काम जारी है जिसमें दीपिका खूब दिलचस्पी ले रही हैं. कास्टयूम सैक्सी होगा जो किसी भी तरह से बनावटी नहीं लगेगा. चूंकि दीपिका का फिगर कमाल का है, उसके इस किरदार के लिए स्पेशल कास्टयूम तैयार करने पर जोर दिया जा रहा है.

आने वाली फिल्में : हॉलीवुड में उसने जिस फिल्म ट्रिपल एक्स : रिटर्न ऑफ द जैंडर केज के साथ डेब्यू किया था, उसके सीक्वेल में भी दीपिका नजर आएंगी. दूसरी ओर बॉलीवुड में उसे विशाल भारद्वाज की फिल्म फैमे फेटल की शूटिंग शुरू करनी थी परंतु इसके हीरो इरफान खान के बीमार पड़ जाने की वजह से इसमें देरी हो रही है.

यामी और साकिब की बनेगी जोड़ी

इन दिनों फिल्म रेस 3 के ट्रेलर की डबिंग में व्यस्त साकिब सलीम ने अपनी अगली फिल्म लगभग तय कर ली है. हालांकि, वह तो अपनी अगली फिल्म को लेकर चुप्पी धारण किए बैठा है, उसके एक करीबी सूत्र के अनुसार यह एक रोमांटिक कॉमेडी फिल्म है जिसकी शूटिंग इस साल ही शुरु होगी.

फिल्म में उसके अपोजिट यामी गौतम को साइन किया गया है. सूत्र बताते हैं, साकिब और यामी एक नई जोड़ी हैं और रोमांटिक कॉमेडी फिल्म के निर्माताओं को रेडीमेड कपड़े बनाने वाले एक ब्रांड के लिए उन दोनों पर फिल्माया एक हालिया ऐड बड़ा पसंद आया है. इस ऐड में दोनों की जोड़ी बड़ी अच्छी लगी है. निर्माताओं को भी एक नई तथा ताजा जोड़ी की तलाश थी इसलिए उन्हें लगा कि साकिब और यामी की जोड़ी रुपहले पर्दे पर जरुर धमाल मचाएगी.

यामी के पास इस वक्त दो फिल्में हैं. इनमें से एक है उरी जो जम्मू कश्मीर के उरी में हुए आतंकी हमले पर आधारित है. दूसरी है बत्ती गुल मीटर चालू.

हॉकी के बाद फुटबाल खेलेंगी सागरिका

क्रिकेटर जहीर खान के साथ शादी करने के बाद कुछ दिनों तक रूपहले पर्दे से गायब रही सागरिका घाटगे पर्दे पर फिर से दिखने वाली हैं. वह फुटबाल पर आधारित एक फिल्म में मुख्य भूमिका में नजर आएंगी. फिल्म चक दे इंडिया में हाकी खिलाड़ी का रोल निभाकर लोकप्रियता पाने वाली सागरिका अब मैदान पर फुटबाल खेलती नजर आएंगी. फिल्म का नाम मानसून फुटबाल है, जिसकी शूटिंग जल्द शुरू होगी. निर्देशक मिलिंग उके की यह फिल्म ऐसी घरेलू महिलाओं पर केंद्रित है जो आपस में मिलकर अपनी एक फुटबाल टीम बना लेती हैं. वह कहती हैं, फिल्म चक दे इंडिया के बाद मैं फिर से खेल से जुड़ी फिल्म करना चाहती थी. अब मुझे यह मौका मिला है. शूटिंग जुलाई में शुरू हो सकती है जिसके लिए उसने तैयारी शुरू कर दी है. वह कहती हैं, मैं हमेशा उनकी मदद लेती हूं क्योंकि वह हमेशा सही राय देते हैं. हालांकि, अंतिम फैसला हमेशा मेरा होता है. जब मैंने यह खबर सार्वजनिक की तो उन्होंने कहा कि अगर तुम्हें कहानी अच्छी लगती है तो तुम इसे कर सकती हो.

करिश्मा-करीना और सलमान

कपूर बहनों करिश्मा और करीना दोनों ने ही सलमान खान के साथ कई फिल्में की हैं. हाल ही में दोनों में से एक ने यह खुलासा किया है कि दोनों में से सलमान के सबसे करीब कौन है. दरअसल छोटे पर्दे के एक चर्चित शो एंटरटेनमेंट की रात लिमिटेड एडशिन में पहुंची करिश्मा ने खुलासा किया कि करीना की तुलना में सलमान उसके ज्यादा करीब हैं. इस शो में करिश्मा ने तमाम बातें की. सलमान से रिश्तों पर उसने कहा, करीना की तुलना में सलमान मेरे अधिक करीब हैं. हमारी दोस्ती ज्यादा लंबे समय से है. सलमान के लिए करीना छोटी बहन जैसी है और वह अब भी उसे एक बच्ची ही मानता है. करिश्मा और सलमान 1990 के दशक की पसंदीद जोड़ियों में से एक थे. दोनों ने अंदाज अपना अपना, बीवी नंबर 1, जीत, जुड़वा जैसी सुपरहिट फिल्में दी हैं. हालांकि बाद में सलमान ने करिश्मा की छोटी बहन करीना के साथ भी बजरंगी भाईजान, क्योंकि, बॉडीगार्ड, दुल्हन हम ले जाएंगे जैसी कई फिल्में की हैं. जब पूछा गया कि करिश्मा अब किस तरह की फिल्में करना चाहेंगी तो उसका कहना था, सभी नंबर 1 नाम की फिल्मों में काम करने के बाद अगर कोई बनाना चाहे तो मैं मम्मी नंबर 1 का हिस्सा बनना चाहूंगी.

जब मेरे कुछ दोस्त मुझे बॉलीवुड की गपशप बताने को कहते हैं तो मैं उन्हें बताती हूं कि मुझसे उन्हें ऐसी कोई बात सुनने को नहीं मिलेगी क्योंकि जो भी काम मेरे हाथों में होता है मैं उसमें ही इतनी डूबी रहती हूं कि मुझे यहा-वहां की खबर नहीं रहती.

सोशल मीडिया में अधिक दिलचस्पी नहीं : श्रद्धा

इन दिनों फिल्म 'साहो', 'बत्ती गुल मीटर चालू' तथा 'साइना' में व्यस्त श्रध्दा कपूर को अधिकतर बॉलीवुड हीरोइनों के विपरीत सोशल मीडिया में अधिक दिलचस्पी नहीं है.श्रध्दा कहती हैं, "मैं खुद के बनाए एक बुलबुले में रहती हूं. जब मेरे कुछ दोस्त मुझे बॉलीवुड की गपशप बताने को कहते हैं तो मैं उन्हें बताती हूं कि मुझसे उन्हें ऐसी कोई बात सुनने को नहीं मिलेगी क्योंकि जो भी काम मेरे हाथों में होता है मैं उसमें ही इतनी डूबी रहती हूं कि मुझे यहां-वहां की खबर नहीं रहती.

अगर मुझे ट्रोल भी किया जाता है तो भी मैं उसे गंभीरता से नहीं लेती. विशेष यात्रा है मेरा करियरः अब तक के अपने बॉलीवुड करियर का जिक्र करते हुए श्रध्दा कहती हैं, "यह एक विशेष यात्रा रही है जिसमें दर्शकों से मुझे बहुत सारा प्यार मिला है जिसके लिए मैंने बहुत पसीना बहाया तथा कड़ी मेहनत की है. मेरे माता-पिता ने मुझे हमेशा अपने दिल की सुनने को कहा और अब तक मैंने ऐसा ही किया है."वह कहती हैं, "चाहे यह 'आशिकी 2' हो या 'हैदर' मेरी हर फिल्म की मेरे दिल में एक खास जगह है. आज तक मैंने जो भी फिल्म की है मेरे लिए वह एक मील का पत्थर रही है."

कास्टिंग काऊच के मुद्दे पर राय : कास्टिंग काऊच को लेकर कोरियोग्राफर सरोज खान की विवादास्पद टिप्पणियों पर उसको राय पूछने पर उसने बिना देर लगाए कहा, "मुझे लगता है कि यह एक पुरानी बहस है. एक्टर्स होने के नाते हमारा पेशा हेमशा लाइमलाइट में रहता है लेकिन यह एकमात्र ऐसा पेशा नहीं है जहां कास्टिंग काऊच है. हालांकि, निजी तौर पर मुझे इस तरह की किसी चीज का सामना नहीं करना पड़ा है."

दूसरा घर है दिल्ली : उसके पिता शक्ति कपूर दिल्ली से हैं इसलिए श्रध्दा का वहां अक्सर जाना होता है. वह कहती हैं,

"दिल्ली मेरा दूसरा घर है. वहां की बहुत यादगार यादें हैं. मेरा बचपन करोल बाग और राजिंदर नगर में मेरे दादाजी और दादाजी के साथ गुजरा है. वहां दीवाली और रक्षाबंधन मनाने की यादें मेरे मन में आज भी ताजा हैं.

मेरे चचेरे भाई दिल्ली में ही रहते हैं और हमारा आज भी यहां एक घर है. अब मैं अक्सर यहां नहीं आ पाती हूं इसलिए इसे बहुत मिस करती हूं."